थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी, पटियाला ने इंडस्ट्री इंस्टीच्यूट इंटरफेस मीट की शुरूआत की

पटियाला/रखड़ा, 4 जनवरी (मनदीप सिंह जोसन, राजेश पंजौला, राणा) : थापर इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी, पटियाला और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संयुक्त रूप से उद्योग संस्थान इंटरफेस मीट की शुरूआत की। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के माननीय कैबिनेट मंत्री; उच्च शिक्षा और भाषा विभाग, शासन सुधार और खेल और युवा मामले प्रो. आदर्श पाल विग, अध्यक्ष, पी.पी.सी.बी., प्रो. प्रकाश गोपालन, निदेशक, टी.आई.ई.टी. और राज्य और शहर प्रशासन के साथ-साथ पी.पी.सी.बी. का प्रतिनिधित्व करने वाले कई प्रतिष्ठित गण्यमान्य की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर कालेज वैबसाइट को लांच करते हुए, साथ हैं अन्य। (दीपक)

कैबिनेट मंत्री श्री हेयर ने पी.पी.सी.बी. और टी.आई.ई.टी. द्वारा उद्योग और अनुसंधान समुदाय को एक सांझा मंच पर लाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की, ताकि पूरे पंजाब में उद्योगों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न पर्यावरणीय और तकनीकी बाधाओं पर चर्चा की जा सके। माननीय मंत्री ने उद्योग के लिए व्यवहार्य समाधान विकसित करने के लिए उद्योग और शिक्षाविदों के बीच उपयोगकर्ता के अनुकूल बातचीत की सुविधा के लिए परिकल्पित वेबसाइट भी लांच की।

यह वेबसाइट सभी औद्योगिक समस्याओं के लिए एकल-खिड़की समाधान होगी। उद्योग के लिए अपनी समस्याओं को सीधे सूचीबद्ध करने के लिए और उद्योग के पर्यावरण और तकनीकी मुद्दों को कम करने के लिए विशेषज्ञों को अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एक मंच पी.पी.सी.बी. के सदस्य सचिव जी.एस. मजीठिया ने दर्शकों को आई 3 कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन शैक्षणिक संस्थानों से वैज्ञानिक समुदाय के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के साथ पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए किसी भी राज्य द्वारा की गई पहली पहल थी।

दर्शकों को संबोधित करते हुए पी.पी.सी.बी. के अध्यक्ष प्रो. विग ने बोर्ड द्वारा तकनीकी संस्थानों के साथ हाथ मिलाकर स्रोत पर प्रदूषण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और पंजाब में सर्वोत्तम पर्यावरणीय परिस्थितियों को बहाल करने में मदद करने की पहल की रूपरेखा तैयार की। डा. विग ने जोर देकर कहा कि कार्यशाला में परिणाम आधारित सहजीवी संबंध प्राप्त करने के लिए उद्योग की प्रत्यक्ष भागीदारी द्वारा उद्योग की अपेक्षाओं (अभ्यास) और अकादमिक पेशकशों (सिद्धांत) के बीच अंतर को कम करने की परिकल्पना की गई है।

इस प्रयास के माध्यम से सभी हितधारकों, अर्थात, संस्थानों, उद्योग, छात्रों और समाज को शामिल करने की परिकल्पना की गई है, जिससे एक जीत-जीत साझेदारी हो। प्रोफैसर गोपालन, निदेशक, टी.आई.ई.टी. ने औद्योगिक समस्याओं के तकनीकी समाधान खोजने के लिए उद्योग जगत तक पहुंचने के लिए शैक्षणिक समुदाय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। आयोजन के दौरान टी.आई.ई.टी. की अनुसंधान टीमों द्वारा उद्योग द्वारा प्रस्तुत समस्या विवरणों के समाधान मौखिक प्रस्तुतियों और पोस्टरों के रूप में प्रस्तुत किए गए। विभिन्न सहयोगी प्रयासों पर चर्चा करने के लिए उद्योग और अकादमिक प्रतिभागियों को एक खुला मंच प्रदान किया गया।

डा. अनूप कुमार, प्रमुख, स्कूल ऑफ एनर्जी एंड एनवायरमैंट, टी.आई.ई.टी. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।